CHAP. IV. SECT. II.]

क्रमुकः पश्चिका (स्वाःस्वात) पश्ची लाचाप्रसाहनः

22 नद (स्त) पूषः क्रमुके। ब्रह्मस्था ब्रह्मदाह (च) तल(ञ्च)

नीय प्रियक कदंबा सा हलिप्रिये

23 दौरहुदो रहष्यस रशिमस्वी भन्नातवी (जिय)

गद्भागे बंदराल कपीतन सपार्श्वताः 24 मुन्त्र

तितिडो चिञ्चा अस्तिका

(उचेा) चीतमालके Leen 8

सर्कात् इसन वंधूत्रपुष्टा वियक जीवकाः

25 साले ते सर्ज कार्चा अश्वकणकाः सस्यसंबरः

1 Morus Indica. But some make it the Hibiscus Populneoides. See 23. 2 Likewise कार्य: 3 Semecarpus Anacardium. 4 Masc. HERICA; 5 Hibiscus Populneoides. R. Some confound these Sanscrit names with those 6 Also तितिलो and तितिडोक:, -का, -कं. 7 Likeof the Ficus venosa. wise असीका, आसिका and आसीका. 8 Terminalia Alata tomentosa R. 9 Also अस्त: and अधन: 10 A common timber tree described (Polyandria monogynia) but not yet named by botanists. 11 Likewise 12 Also 13 Or प्राप्तातंबर: